मन्ना डे ने शास्त्रीय संगीत को फिल्म जगत में विशिष्ट पहचान दिलाई

भारतीय सिनेमा जगत में मन्ना डे को एक ऐसे पार्श्वगायक के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने अपने लाजवाब पार्श्वगायन के जरिये शास्त्रीय संगीत को विशिष्ट पहचान दिलायी. प्रबोध चन्द्र डे उर्फ मन्ना डे का जन्म एक मई 1919 को कोलकाता में हुआ था.मन्ना डे के पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे लेकिन उनका रूझान संगीत की ओर था और वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते थे .मन्ना डे ने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने चाचा के.सी.डे से हासिल की.मन्ना डे के बचपन के दिनों का एक दिलचस्प वाक्या है.उस्ताद बादल खान और मन्ना डे के चाचा एक बार साथ-साथ रियाज कर रहे थे.तभी बादल खान ने मन्ना डे की आवाज सुनी और उनके चाचा से पूछा यह कौन गा रहा है.जब मन्ना डे को बुलाया गया तो उन्होंने अपने उस्ताद से कहा बस ऐसे ही गा लेता हूं लेकिन बादल खान ने मन्ना डे की छिपी प्रतिभा को पहचान लिया.इसके बाद वह अपने चाचा से संगीत की शिक्षा लेने लगे.

मन्नाडे 40 के दशक में अपने चाचा के साथ संगीत के क्षेत्र में अपने सपनों को साकार करने के लिए मुंबई आ गये .वर्ष 1943 में फिल्म 'तमन्ना' में बतौर पार्श्वगायक उन्हें सुरैया के साथ गाने का मौका मिला.हालांकि इससे पहले वह फिल्म रामराय में कोरस के रूप में गा चुके थे.दिलचस्प बात है, यही एक एकमात्र फिल्म थी जिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देखा था .शुरूआती दौर में मन्ना डे की प्रतिभा को पहचानने वालों में संगीतकार- शंकर जयकिशन का नाम खास तौर पर उल्लेखनीय है.इस जोड़ी ने मन्ना डे से अलग-अलग शैली में गीत गवाये.उन्होंने मन्ना डे से 'आजा सनम मधुर चांदनी में हम' जैसे रूमानी गीत और 'केतकी गुलाब जूही' जैसे शास्त्रीय राग पर आधारित गीत भी गवाए लेकिन दिलचस्प बात है कि शुरआत में मन्ना डे ने यह गीत गाने से मना कर दिया था.

संगीतकार शंकर जयकिशन ने जब मन्ना डे को 'केतकी गुलाब जूही' गीत गाने की पेशकश की तो पहले तो वह इस बात से घबरा गये कि भला वह महान शास्त्रीय संगीतकार भीमसेन जोशी के साथ कैसे गा पाएंगे.मन्ना डे ने सोचा कि कुछ दिनों के लिए मुंबई से दूर पुणे चला जाए.जब बात पुरानी हो जायेगी तो वह वापस मुंबई लौट आएंगे और उन्हें भीमसेन जोशी के साथ गीत नहीं गाना पड़ेगा लेकिन बाद में उन्होंने इसे चैंलेंज के रूप में लिया और 'केतकी गुलाब जूही' को अमर बना दिया .

वर्ष 1950 में संगीतकार एस. डी. बर्मन की फिल्म मशाल में मन्ना डे को 'ऊपर गगन' विशाल गीत गाने का मौका मिला.फिल्म और गीत की सफलता के बाद बतौर पार्श्वगायक वह अपनी पहचान बनाने में सफल हो गये .मन्ना डे को अपने करियर के शुरआती दौर में अधिक शोहरत नहीं मिली.इसकी मुख्य वजह यह रही कि उनकी सधी हुई आवाज किसी गायक पर फिट नहीं बैठती थी.यही कारण है कि एक जमाने में वह हास्य अभिनेता महमूद और चरित्र अभिनेता प्राण के लिए गीत गाने को मजबूर थे.वर्ष 1961 में संगीत निर्देशक सलिल चौधरी के संगीत निर्देशन मे फिल्म काबुली वाला की सफलता के बाद मन्ना डे शोहरत की बुंलदियो पर जा पहुंचे.फिल्म काबुली वाला में मन्ना डे की आवाज में प्रेम धवन रचितयह गीत 'ए मेरे प्यारे वतन ऐ मेरे बिछड़े चमन' आज भी श्रोताओं की आंखो को नम कर देता है .

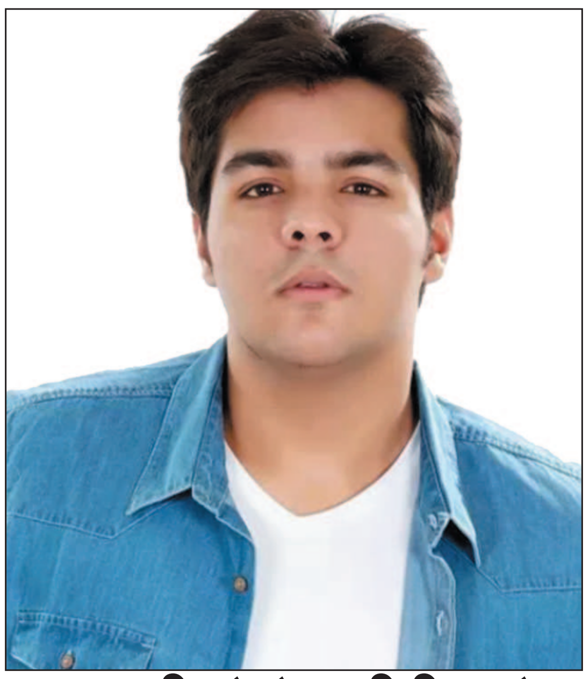

एकाकी से वेब सीरीज में एंट्री करेंगे आशीष चंचलानी

डिजिटल स्टार आशीष चंचलानी वेब सीरीज़ एकाकी के साथ डेब्यू कर रहे हैं. आशीष चंचलानी अब लॉन्ग फॉर्मेट की स्टोरीटेलिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. वह जल्द ही अपनी मच अवेटेड वेब सीरीज़ एकाकी के साथ डेब्यू करने वाले हैं, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है. इस सीरीज़ में हॉरर और कॉमेडी का ऐसा यूनिक मेल देखने को मिलेगा, जैसा आशीष अपने गेम-चेंजिंग कंटेंट के जरिए पहले भी दिखा चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ अलग, कुछ नया पेश करने का वादा है. पोस्टर भी काफी दिलचस्प है, अंधेरे में लालटेन लिए खड़े आशीष चंचलानी के चारों ओर फैले डरावने हाथ एक रोमांचक कहानी की झलक देते हैं.

डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में आशीष, जो कि इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कंटेंट क्रिएटर्स में गिने जाते हैं, अब एक ऐसी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं जो वाकई गेम-चेंजर साबित हो सकती है.इस सीरीज के जरिए आशीष न सिर्फ एक्टिंग बल्कि निर्देशन और प्रोडक्शन में भी अपना डेब्यू कर रहे हैं. एकाकी की शानदार कास्ट में आकाश डोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, शशांक शेखर, रोहित साधवानी और ग्रिशिम नवानी शामिल हैं. यह प्रोजेक्ट एसीभी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है.

हमें नफरत और डर को रोकना होगा : सुनील शेट्टी

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है. इस बीच अभिनेता सुनील शेट्टी ने इस हमले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एकता, साहस और शांति का संदेश दिया है. एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं के सामने हमें घबराना नहीं है, बल्कि एकजुट रहकर आतंकवादियों को दिखाना है कि हिंदुस्तान डरता नहीं है.

सुनील शेट्टी ने कहा कि हमें नफरत और डर को रोकना होगा. जब भी देश पर कोई हमला होता है, तो हमें और ज्यादा मजबूती से एक-दूसरे के साथ खड़ा होना होता है. कश्मीर में बहुत लोग नए व्यवसाय शुरू करने जा रहे थे, कश्मीरी पंडित लौटकर वहां रहना और काम करना चाहते थे. ये सब बेहद खूबसूरत बदलाव थे, जिन्हें अब डराया जा रहा है.उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस फैसले की भी सराहना की जिसमें सेना को हालात संभालने की जिम्मेदारी दी गई है. उन्होंने बताया कि मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने सेना को शामिल करने का फैसला लिया है. जब सेना मोर्चा संभालती है तो चीजें व्यवस्थित हो जाती हैं. सुनील शेट्टी ने देशवासियों से एकजुटता दिखाने की अपील करते हुए कहा कि हमें एक-दूसरे का समर्थन करना होगा. हमें ये तय करना होगा कि हमारी अगली छुट्टी कश्मीर में होगी. ये दिखाना ज़रूरी है कि हम डरे नहीं हैं. यही आतंकवाद के खिलाफ सबसे बड़ा जवाब होगा.

मोनाली ने दिलकश अंदाज़ से जीता दिल

बॉलीवुड की जानीमानी पार्श्वगायिका मोनाली ठाकुर ने अपनी सुरमयी आवाज़ और दिलकश अंदाज़ से लोगों का दिल जीत लिया.

मोनाली ठाकुर उन खूबसूरत आवाज़ों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी मधुर गायिकी से हमेशा लोगों के दिलों पर राज किया है. मोहो मो के धागे जैसे गानों के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुकी मोनाली ने कई ऐसे शानदार गीत गाए हैं, जो आज भी हमारे प्लेलिस्ट में खास जगह बनाए हुए हैं. हालांकि मोनाली ठाकुर की पहचान सिर्फ उनकी प्लेबैक सिंगिंग तक सीमित नहीं है. हाल ही में कानपुर में उन्होंने अपने जबरदस्त लुक्स और दिलकश परफॉर्मेंस से मंच पर ऐसा जादू बिखेरा कि हर कोई उनकी तारीफ करता नजर आया. मोनाली ठाकुर ने हाल ही में अपने कानपुर कॉन्सर्ट की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं.

आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर, विक्रांत मैसी के अपोजिट फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं.इस फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है. यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली है. फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है, जिसका एक कारण शनाया कपूर भी हैं. ज़ी स्टूडियोज़ और मिनी फ़िल्म्स द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म को मानसी बागला और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है, और फिल्म को संतोष सिंह ने निर्देशित किया है.

इसकी कहानी निरंजन अय्यंगर और मानसी बगला ने लिखी है. इसका संगीत विशाल मिश्रा ने दिया है.शनाया कपूर चर्चित स्टारकिड हैं. वे संजय कपूर की बेटी हैं और अनिल कपूर की भतीजी हैं. बेशक शनाया ने अभी रुपहले पर्दे पर दस्तक नहीं दी है, लेकिन वे लाइमलाइट में खूब रहती हैं. उनकी डेब्यू फिल्म का दर्शक इंतजार कर रहे हैं, जिसकी रिलीज डेट का भी आज 30 अप्रैल को एलान हो गया है. जी स्टूडियोज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर फैंस को अपडेट दिया है.फिल्म आंखों की गुस्ताखियां मॉनसून में रिलीज होगी और तारीख है 11 जुलाई 2025. जी स्टूडियोज ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, इस मॉनसून सिर्फ फिसलिए मत, बल्कि प्यार को भी महसूस करिए. फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के साथ. आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है 11 जुलाई 2025 को.इस फिल्म को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स बना रहे हैं. यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें दर्शकों को प्यार और इमोशंस के साथ दोनों सितारों की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. इस फिल्म का संगीत विशाल मिश्रा ने तैयार किया है. आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन संतोष सिंह करेंगे. फिल्म को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने लिखा है.

आलिया के ब्रांड 'एड-अ-माम्मा' का बेंगलुरु में पहला स्टोर खुला

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट द्वारा प्रमोटेड, बचों और माताओं के लिए कपड़े और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट बनाने वाले ब्रांड 'एड-अ-माम्मा' ने बेंगलुरु में अपना पहला स्टैंडअलोन स्टोर खोला है.

दक्षिण भारत में ब्रांड का यह पहला स्टोर है, लेकिन देश भर में इसके अब तक चार स्टोर खुल चुके हैं. रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) के साथ साझेदारी में यह स्टोर खोले गए हैं. 2023 में रिलायंस रिटेल और एड-अ-माम्मा के बीच रणनीतिक करार हुआ था.

ब्रांड की संस्थापक आलिया भट्ट ने कहा, बेंगलुरु में 'एड-अ-माम्मा' का पहला ऑफलाइन स्टोर हमारे ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है! हमने एक छोटे, घरेलू व्यवसाय के रूप में इसकी शुरुआत की थी. रिलायंस के साथ साझेदारी में हमने अपने ब्रांड के तहत कपड़े, किताबें, खिलौनों के संग बहुत से प्रोडक्ट शामिल किए हैं. मैं बेहद उत्साहित हूं और चाहती हूं कि ग्राहक हमारे द्वारा दिल से बनाई गई हर चीज का अनुभव करें.

बेंगलुरु स्थित मॉल ऑफ एशिया में 805 वर्ग फीट में फैले इस स्टोर को पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ डिजाइन किया गया है. यह एड-अ-माम्मा के फॉरेस्ट-फर्स्ट विज़न को दिखाता है, जहां प्रकृतिक प्रेरणा और उद्देश्य दोनों शामिल किए गए हैं. यहां 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्लास्टिक मुक्त किड्स वियर, मातृत्व के लिए खासतौर पर डिजाइन कपड़े, खिलौने, बैग व लाइफस्टाइल से जुड़े कई प्रोडक्ट सेल के लिए उपलब्ध हैं.

फिल्म राम-लीला ने मेरी ज़िंदगी बदल दी : अकांक्षा

अभिनेत्री अकांक्षा शर्मा का कहना है कि फिल्म रामलीला देखने के बाद उनकी जिंदगी बदल गयी. केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है. अपनी हिंदी सिनेमा की पहली फिल्म केसरी वीर-लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में, आकांक्षा ने एक जबरदस्त पहली झलक से दर्शकों को चौंका दिया है, जहां वह राजल के किरदार में एक निडर और वीरांगना योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं. अकांक्षा ने बताया , मैं एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आती हूं. मेरा फिल्मों से कोई नाता नहीं रहा है. मैं बारहवीं कक्षा में थी. बोर्ड की तैयारी कर रही थी, तभी मैंने राम-लीला देखी और वहीं से सब कुछ बदल गया.

दिग्गज एक्ट्रेस ने अचानक छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री

सिनेमाई दुनिया बिल्कुल समुद्र की तरह है, जिसमें कई एक्टर्स गोता लगाते हैं. कुछ तो इसमें कई साल तैरते हैं, लेकिन कुछ उपलब्धि पाने के बाद भी अपने अभिनय करियर को बहुत जल्द अलविदा कह देते हैं. यह चर्चा इस समय इस लिए हो रही है क्योंकि बीते दिनों अभिनेत्री सीमा पाहवा ने बॉलीवुड इंडस्ट्री छोड़ने को लेकर कुछ संकेत दिए थे.

आयशा टाकिया

बॉलीवुड की दुनिया की जानी मानी अभिनेत्री आयशा टाकिया, जिन्होंने टॉर्जन और वॉन्टेड जैसी शानदार फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी . इसके बाद अभिनेत्री ने फरहान आजमी से शादी की और एक्ट्रेस ने फिल्मों से दूरी बना ली .

अनु अग्रवाल

अनु अग्रवाल भी चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार हैं . साल 1990 में महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म आशिकी में एक्ट्रेस बतौर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं . इसके बाद भी उन्होंने कुछ फिल्मों में काम किया था और उनका अचानक एक्सीडेंट हो गया .

जायरा वसीम

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के साथ दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार और प्रियंका चोपड़ा के साथ द स्काई इज पिंक जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली जायरा वसीम ने अचानक फिल्मों में काम करना छोड़ दिया था .

सना खान

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म टॉयलेट एक प्रेम कथा और सलमान खान अभिनीत फिल्म जय हो, जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अभिनेत्री ने सिनेमाई दुनिया से दूरी बना ली थी .

करण टैकर ने सुपरनैचुरल थ्रिलर भय का अंतिम चरण किया पूरा

बॉलीवुड अभिनेता करण टैकर ने अपनी आने वाली थ्रिलर वेबसीरीज भय- द गौरव तिवारी मिस्ट्री का अंतिम चरण लंदन में पूरा कर लिया है.

सीरीज भय- द गौरव तिवारी मिस्ट्री ,भारतीय पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी के जीवन पर आधारित होगा. गौरव तिवारी वास्तविक जीवन में एक पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर थे, जिन्होंने अदृश्य रहस्यों को उजागर करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया. दिल्ली के द्वारका स्थित उनके घर पर सात जुलाई 2016 को उनका शव मिला था. सुपरनैचुरल शक्तियों की इस कहानी में करण टैकर ,गौरव तिवारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे. इस सीरीज में में कल्कि कोचलिन, दानिश सूद और सलोनी बत्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार भी हैं.

करण टैकर, जिन्होंने खाकी-द बिहार चैप्टर और स्पेशल ऑप्स जैसी धमाकेदार थ्रिलर में वर्दीधारी पुरुषों की भूमिका निभाने में महारत हासिल की है, अब भय में गौरव तिवारी की भूमिका निभाने के लिये तैयार हैं.करण टैकर ने लंदन में सुपरनैचुरल थ्रिलर भय का अंतिम चरण पूरा कर लिया है.

करण टैकर ने कहा,एक और प्रोजेक्ट का शेड्यूल पूरा करके बेहद खुश हूं.